ShaneNabi.In

Best Sunni Islamic Website

(बेस्ट सुन्नी इस्लामिक वेबसाईट)

माँ का साथ ना छुटे कभी तेरी माँ ना रुठे

(हिन्दी मंकबत लीरिक्स)

लिखा है (लेखक): सज्जाद निज़ामी

सोशल नेटवरकस पर हमें फ़ॉलो करें:

https://youtube.com/@shanenabi

https://www.facebook.com/shanenabi.in

https://www.instagram.com/shanenabi.in

https://twitter.com/ShaneNabi_In

अधिक लीरिक्स और इस्लामी सामग्री के लिए कृपया हमारी वेबसाईट https://shanenabi.in पर जाये

यह लीरिक्स https://shanenabi.in से डाउनलोड/प्रिंट किया गया है

सहायता/अनुरोध के लिए support@shanenabi.in पर हमसे संपर्क करें

माँ तो माँ है माँ का हम पर कितना बड़ा एहसान
तेरी माँ न रुठे कभी तेरी माँ ना रुठे
हाँ माँ का साथ ना छुटे, कभी तेरी माँ ना रुठे

माँ का साया जिसके सरपर वो तो बड़ा धनवान (x2)
हन माँ का साथ ना छुटे, कभी तेरी माँ न रुठे

आंचल में वो हमको छुपा कर खून जिगर का पिलाती है
खुद भुकी सो जाती है (x2)
खुद गौले में रहकर हमको सूखे में वो लेटाती है
अच्छी नींद सुलाती है (x2)

माँ के एक एहसान पे अपना तन मन धन कुर्बान
माँ का साथ ना छुटे, कभी तेरी माँ ना रुठे

माँ के शिकम से दुनिया भर में कैसे कैसे लाल हुए
गौस हुई अब्दाल हुए (x2)
माँ के क़दमों को छूते ही ऐसे माला माल हुए
सरताबा खुशहाल हुए (x2)

माँ ने दुआ जिस को भी दी है उसकी ऊंची शान
माँ का साथ ना छुटे, कभी तेरी माँ ना रुठे

माँ का दिल तो माँ का दिल है उस जैसा ना पाओगे
धूनड़ते ही रह जाओगे (x2)
रब की लानत नाज़िल होगी माँ को जो तड़पोगे
चैन कहीं ना पाओगे (x2)

सरकार ए कौनैन का सुन लो बस है यही फरमान
माँ का साथ ना छुटे, कभी तेरी माँ ना रुठे

© ShaneNabi.In

माँ न होती तू ना होता तू माँ की ही बदौलत है
ये सच है ये हकीकत है (x2)
कौल ए नबी है माँ के कदमों के नीचे ही जन्नत है
बस रहमत ही रहमत है (x2)

माँ के लिए गर देना पड़े तो दे देना तू जान
माँ का साथ ना छुटे, कभी तेरी माँ ना रुठे

बच्चे कैसे भी हो लेकिन माँ के लिए तो प्यारे हैं
उसकी आँख के तारे है (x2)
अपनी माँ के दिल को जीत के जो भी माँ के सहारे हैं
फिर वो किस से हारे है (x2)

माँ का कहना मान अगर कुछ बनना है नादानी
माँ का साथ ना छुटे, कभी तेरी माँ ना रुठे

माँ के दूध का कर्ज चुकाना तेरे बस की बात नहीं
ये तेरी औकात नहीं (x2)
माँ से अफजल बीवी और बच्चों में कोई ज़ात नहीं
ये मामुली बात नहीं (x2)

कुछ भी हो सज्जाद तू माँ का रखना ध्यान
माँ का साथ ना छुटे, कभी तेरी माँ ना रुठे

© ShaneNabi.In